पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शाहरुख खान को 'किंग' के सेट पर लगी चोट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 117 ■ सोमवार, 21 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

भ्रष्टाचार के मुख्यालय उल्हासनगर मनपा पर एंटी करप्शन की गाज !

कार्रवाई भ्रष्ट कारोबार और बेनामी संपत्ति की जांच के घेरे में आए बड़े ठेकेदार

- दलाल नुमा नेता बड़े ठेकेदारों को बचाने की फिराक में
- राजनीतिक पक्ष के दलाल इस भ्रष्टाचार को दे रहे पनाह
- PWD अभियंता कार्रवाई से पूर्व छुट्टी पर
- आयुक्त ने किनारा किया भ्रष्ट ठेकेदारों से

झा पी. कंपनी द्वारा उल्हासनगर मनपा मुख्यालय हाईजैक!

- कंपनी को आज मिलेगा निजी स्टाफ भर्ती का ठेका
- 5 करोड़ 62 लाख के इस ठेके में निजी स्टाफ घुसेंगे हर विभाग में
- मनपा के हर विभाग में फैला है निजी कंपनी झा.पी के मोनोपोली का जाल
- राज्य सरकार से सीधा संपर्क का मिल रहा पूरा फायदा!
- अब निजी स्टाफ खुलकर हर विभाग में करेंगे भ्रष्टाचार
- कोणार्क से भी कई गुना आगे झा. पी कंपनी

आखिर क्यों नतमस्तक हैं मनपा के अधिकारी?

क्या मनपा आयुक्त कंपनी को ब्लैक लिस्ट करेगी ?

उल्हासनगर. शहर की हालत देखकर यह पूरे यकीन के साथ कहा जा सकता है कि उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय भ्रष्टाचार में पूरी तरह से लिप्त है। इस मुख्यालय का सबसे भ्रष्ट विभाग सार्वजनिक बांधकाम विभाग जहां से शहर के विकास कार्य होते हैं उस पर एंटी करप्शन विभाग की गाज गिरी है। हालांकि एंटी करप्शन की कार्रवाई से बचने के लिए कनिष्ठ अभियंता पहले से ही छुट्टी पर चले गए हैं जिस कारण जांच में दो बड़े ठेकेदार फंसे हैं जिसकी खबर हमने कुछ दिनों पूर्व दै. उल्हास विकास में दी थी। यह वो ठेकेदार हैं जो कोणार्क कंपनी से भी घातक है और इन दिनों मनपा के सभी ठेकों को हाईजैक किए हुए हैं।

सूत्रों से खबर मिली है कि पिछले कुछ दिनों से एंटी करप्शन द्वारा उनके एंटीलिया के घर व दफ्तरों के चक्कर काट रही है लेकिन दलाल नुमा राजनीतिक पक्ष से जुड़े नेता उन्हें बचाने की फिराक में है। भ्रष्टाचार की दल-दल में शामिल यह नेता शहर को विनाश की ओर ले जाने वाले ठेकेदारों को पनाह दे रहे हैं। आयुक्त को इन ठेकेदारों की हकीकत का अंदाजा हो गया जिस कारण आयुक्त ने उनके बड़े ठेकों पर रोक लगा दी है। अब एंटी करप्शन ठेकेदारों को पुराने फाईल जो पूर्व आयुक्त अजिज शेख के कार्य में पारित हुए हैं उनकी जांच कर रही है और कुछ ही वर्षों में सैकड़ों करोड़ों की संपत्ति हासिल करने वाले उन ठेकेदारों की बेनामी संपत्ति की भी जांच कर रही है।

ज्ञात हो कि मनपा के शिक्षण, पाणीपुरवठा, स्टोर के साथ प्रमुख PWD विभाग के सभी ठेकों को हाईजैक करने वाले ठेकेदार जीएसटी चोरी व फर्जी बिलों के बल पर करोड़ों के बिल बिना कार्य पास करवाते हैं। ठाणे से भी उन्हें समर्थन न मिलने के कारण अब उन्होंने डोंबिवली के दम पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। इसकी गुप्त जांच के दौरान एंटी करप्शन विभाग पिछले कुछ दिनों से उन ठेकेदारों तक पहुंची है। शहर को लुटने वाले यह बड़े ठेकेदार अब सबकी आंखों में खटकना शुरू हो गए हैं क्योंकि उन्होंने खुले तौर पर भ्रष्टाचार किया है। यह ठेकेदार शहर के लिए घातक हैं। इन ठेकेदारों को शहर के ही प्रमुख नेताओं द्वारा छूट मिलने के कारण भ्रष्टाचार हुआ है। पीडब्ल्यूडी विभाग में आज भी कुछ कर्मचारी उनके इशारे पर ही कार्य करते हैं लेकिन आयुक्त उन्हें रोकने में पूरी तरह सफल नहीं हुई है ऐसे में अब देखना हो कि वर्तमान आयुक्त इन बड़े ठेकेदारों को काली सूची में डालकर उनके सभी ठेके रद्द करेगी तभी शहर विकास को कुछ गति मिल सकेगी। वरना शहर की खस्ता हालत देखकर आम जनता हमेशा की तरह तमाशबीन बनकर रह जाएगी।

दाग से बचने के लिए अभियंता संदीप जाधव का VRS

उल्हासनगर के सबसे भ्रष्ट PWD विभाग में भ्रष्टाचार की कार्रवाई पूर्व कर्मचारी तरुण शेवकानी पर हो चुकी है लेकिन अपने दाग को बचाने के लिए नेताओं की मदद से उन्हें काम पर वापस लेकर तुरंत ही सेवानिवृत्त करा दिया गया। अब पिछले काफी समय से भ्रष्टाचार में लिप्त रहे कनिष्ठ अभियंता संदीप जाधव ने भी VRS मनपा से मांगा है ताकि वो भ्रष्टाचार के दाग से बच सके और सारी उम्र उन्हें पेंशन मिल सके। खबर मिली है कि जाधव VRS का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं। उनके जाने के बाद उनके पीछे कार्य करने वाले कुछ कर्मचारी जल्द ही जाधव द्वारा छोड़े गए भ्रष्टाचार के जेल में फंसने वाले हैं ऐसी जानकारी सूत्रों ने दी है।

इमारत से गिरकर मजदूर की मौत

- बिल्डर की लापरवाही से हुई मौत

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के निर्माणाधीन इमारत की सातवीं मंजिल से गिरकर एक मजदूर की मौत के बाद संतप्त परिवार जनों एवं सहकर्मियों ने इमारत के बाहर मजदूर के शव को लाकर रख दिया और मांग करने लगे कि मृतक मजदूर अनिल गौरीशंकर कश्यप (45) के परिजनों को आर्थिक सहायता जब तक नहीं दी जाती तक तक लाख को यहां से नहीं उठाया जाएगा.

परिजन बिल्डर पर आरोप लगा रहे थे कि इमारत के चारों तरफ कोई सुरक्षा जाल नहीं लगाया गया है. साथ ही मजदूर को हेल्मेट और बेल्ट भी उपलब्ध नहीं करा कर दिया गया था. पूर्व नगरसेवक आत्माराम तांबे, उमेश पाटिल, संकेत तांबे ने भी एकत्रित होकर मजदूर अनिल के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की. अनिल के चार बच्चे और पत्नी है. वह शहर पश्चिम के कमलाकर नगर में रहता है. वह शहर के कानसई में गणपति मंदिर के पास शनिवार सुबह सातवीं मंजिल पर सैन्ट्रिंग का काम कर रहा था कि पैर फिसलकर नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई. निर्माणाधीन इमारत एक ज्वेलर्स बना रहा है. ये बात सामने आने पर हमने उस ज्वेलर्स से पूछा तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा ये इमारत नहीं बनाई जा रही है. प्रसन्ना मराटे नामक बिल्डर द्वारा इमारत का काम शुरू है. हमने उनसे फोन पर पूछताछ की तो उन्होंने हमें बताया कि मृतक मजदूर के परिजनों को उन्होंने अच्छी खासी आर्थिक सहायता की है. शिवाजी नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर अधिक जांच कर रही है.

भारी बारिश में ढहे पुल पर आंदोलन

- उल्हासनगर 5 गणेश नगर इलाके में है पुल
- प्रशासन के खिलाफ नागरिकों का प्रदर्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के कैम्प 5 गणेश नगर इलाके में जून में भारी बारिश के कारण एक नाले पर बना पुल ढह गया था। घटना के एक महीना बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने पुल का पुनर्निर्माण नहीं कराया है। इससे आक्रोशित नागरिकों का गुस्सा फिर भड़क उठा है। राधाकृष्ण साठे ने एक बार फिर इसी जगह धरना देकरध प्रशासन को आड़े हाथों लिया। इससे पहले भी उन्होंने अनोखे तरीके से धरना देकर ध्यान आकर्षित किया था। कल एक महिला की मौत के बाद, पुल न होने के कारण नागरिकों को उसका शव ले जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। इस घटना से इलाके में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। गणेश नगर में पुल ढहने के बाद प्रशासन ने तुरंत काम शुरू नहीं किया है। टेंडर प्रक्रिया कागजों में ही अटकी हुई है और इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

आरोपी ने पीड़िता के घर के बाहर ढोल बजाकर व पटाखे फोड़कर फैलाई दहशत

- छेड़छाड़ के मामले में आरोपी हुआ था गिरफ्तार
- उल्हासनगर पुलिस से कार्रवाई की मांग
- शहर में अब युवतियां सुरक्षित नहीं

उल्हासनगर. उल्हासनगर-1 रमाबाई टेकड़ी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना ने हड़कंप मचा दिया है। दो बहनों से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी ज़मानत पर रिहा होने के बाद, उसने पीड़ितों के घरों के सामने ढोल बजाकर, पटाखे फोड़कर दहशत निर्माण की। घटना 27 अप्रैल की सुबह 2 बजे की है जब हंसु झा और बिट्टू यादव ने एक घर का दरवाज़ा खटखटाया और घर में घुसने की कोशिश की। दरवाज़ा खुलते ही उन्होंने घर के युवक की पिटाई कर दी। युवक और उसकी माँ द्वारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद, आरोपी हंसु झा, उसका भाई रोहित झा और सोनपनी झा धारदार हथियार लेकर युवक के घर फिर से पहुँच गए। इसके बाद, उन्होंने घर में मौजूद दो लड़कियों के साथ बलात्कार करने की कोशिश की और घर में घुसकर दरवाज़ा तोड़ दिया।

पीड़ित लड़कियों ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने लड़कियों को घर से बाहर घसीटा, उनके कपड़े फाड़े और उनके साथ छेड़छाड़ की। चीख-पुकार सुनकर इलाके के लोग इकट्ठा हो गए और आरोपियों की बुरी तरह पिटाई कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से परस्पर विरोधी मामले दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है हालांकि, आरोपी रोहित झा की ज़मानत मिलने के बाद, ढोल-नगाड़ों और पटाखों की ध्वनि के साथ रमाबाई टेकड़ी इलाके में जुलूस निकाला गया।

गौरतलब है कि यह सारा उत्पात उस घर के सामने मचाया गया जहाँ की लड़कियों से छेड़छाड़ का आरोप है। इससे इलाके में एक बार फिर दहशत का माहौल बन गया है। इस घटना को लेकर उल्हासनगर पुलिस के खिलाफ रोष व्यक्त किया जा रहा है और स्थानीय नागरिकों व सामाजिक संगठनों की ओर से रोहित झा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माँग की जा रही है। यह घटना पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करती है और नागरिक अब पीड़ित लड़कियों की सुरक्षा की माँग कर रहे हैं।

'बम-बम भोले' से गूंजा अंबरनाथ शहर शिवमंदिर में जलाभिषेक को पहुंचे कांवड़िये

- कोंडेश्वर से जल लेकर अंबरनाथ शिवमंदिर पैदल पहुंचे कांवड़िये

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. बदलापुर कोंडेश्वर शिवमंदिर से जल लेकर हजारों कांवडियों ने रविवार को 22 किलोमीटर पैदल चल कर अंबरनाथ के प्राचीन शिवमंदिर में जलाभिषेक किया. गत 10 वर्षों से युवा वाहिनी द्वारा श्रावण मास में कांवड यात्रा का आयोजन किया जा रहा है. कांवडियों में सैकड़ों महिलाओं ने भी बिना चप्पल नंगे पैर 22 किलोमीटर पैदल चल कर शिवमंदिर में जलाभिषेक किया. अंबरनाथ केबी सड़क पर फारेस्ट नाका, बुवापाड़ा, भेंडी पाड़ा, मोरीवली एवं विमको नाका पर पंडाल में इन कांवडियों का स्वागत करके उन्हें पानी, वड़ा पाव, खान पान देकर उनका स्वागत किया गया.

अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, उत्तर भारतीय शिवसेना शहराध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे, बबलू सिंह, मनोज सिंह आदि ने कांवडियों पर फूल बरसा कर उनका स्वागत किया.

भाजपा के हिरालाल गुप्ता, शिवसेना के विकास हेमराज, राहुल हेमराज ने भी हर वर्ष की भांति पंडाल में कांवडियों के खान पान का प्रबंध किया था. कांवड यात्रा रविवार की सुबह बदलापुर से कोंडेश्वर शिवमंदिर से शुरू हुई. कांवडिये अपने कंधे पर छोटे कैन बांधकर 22 किलोमीटर पैदल चलकर अंबरनाथ शिवमंदिर दोपहर में पहुंचे और यहां पर शिव की प्रतिमा पर जलाभिषेक करके बम बम भोले का जयकारा किया.

'स्विगी' के पार्सल में मिला फंगस

- स्विगी के खिलाफ शिकायत
- दो बार खाद्य पदार्थ में पाया फंगस
- ऐप से किया था दो बार आर्डर
- आर्डर की जांच कर लें डिलीवरी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में खाद्य सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाने वाली एक घटना उल्हासनगर 4 निवासी लता राजेश उदासी के साथ घटी। उन्होंने लोकप्रिय फूड डिलीवरी ऐप 'स्विगी' से अमूल खोवा नामक एक दुग्ध उत्पाद ऑर्डर किया था। हालाँकि, ऑर्डर मिलने के बाद उन्होंने जो देखा वह बेहद चौंकाने वाला था। पैकेट खोलने पर उसमें फंगस साफ दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत ऑर्डर वापस कर दिया और दूसरी बार नया ऑर्डर दिया। दुर्भाग्य से, दूसरे पैकेट में भी उसी तरह की फंगस पाया गया। इस घटना से नाराज़ लता उदासी ने स्विगी के उल्हासनगर 3 के मैनेजर संजय पाल से सीधे संपर्क किया। लेकिन उन्हें केवल अस्पष्ट जवाब मिले। इसके बाद, उन्होंने स्कूटी लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के वितरण केंद्र जाकर सीधे शिकायत दर्ज कराई।

मीडिया से बात करते हुए, लता उदासी ने स्विगी प्रबंधन की लापरवाही की कड़ी आलोचना की और प्रशासन से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी घटनाओं पर तुरंत ध्यान देने की माँग की। इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन फूड डिलीवरी सिस्टम में गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों की ओर ध्यान खींचा है। अब देखना यह होगा कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग इस ओर ध्यान देता है या नहीं।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में उल्हासनगर मनपा की छलांग

- 110वें स्थान से 43वें स्थान पर पहुंचा

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप केंद्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2024' में देश में 43वां स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले, उल्हासनगर को 2023 में 110वें स्थान पर रखा गया था। केवल एक वर्ष में 67 स्थान ऊपर जाने की इस उपलब्धि ने पूरे शहर में खुशी का माहौल बना दिया है और उल्हासनगर महानगरपालिका के स्वच्छता प्रयासों को राष्ट्रीय मान्यता मिलना निश्चित रूप से गर्व की बात है।

उल्हासनगर मनपा की यह छलांग सिर्फ संख्या का मामला नहीं है, बल्कि स्थानीय प्रशासन की दूरदर्शी नीतियों, सतत पहल और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस के नेतृत्व में शहर ने सही मायने में 'स्वच्छता ही सेवा' की अवधारणा को साकार किया है। उल्हासनगर मनप ने इस वर्ष अपना ओडीएफ++ प्रमाणन बरकरार रखा है, तथा स्वच्छता रैंकिंग के लिए आवश्यक विभिन्न मानकों में उच्च अंक प्राप्त किए हैं।

इस वर्ष के सर्वेक्षण में उल्हासनगर को 12,500 में से 8,632 अंक प्राप्त हुए, जिसमें 'घरेलू अपशिष्ट संग्रहण 56%, स्रोत पृथक्करण 25%, अपशिष्ट प्रसंस्करण 21%, कचरा निपटान 36%' दर्ज किया गया, साथ ही 100% आवासीय स्वच्छता, 100% बाजार क्षेत्र, 100% जल स्रोत और सार्वजनिक शौचालयों की 80% सफाई दर्ज की गई। इस सफलता में उल्हासनगर महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, गैर सरकारी संगठन, ग्रीन मार्शल और शहर के नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कहा कि यह सफलता उनके संयुक्त प्रयासों के कारण ही संभव हुई है।

विदेशी स्कॉच शराब का स्टॉक जब्त, दो गिरफ्तार

उल्हासनगर. स्कॉच जैसी उच्च गुणवत्ता वाली विदेशी शराब की तस्करी कर महाराष्ट्र में बेचने की योजना विफल हो गई। राज्य आबकारी विभाग ने कठोर कार्रवाई करते हुए उल्हासनगर में हरियाणा राज्य के लिए तैयार की गई अवैध स्कॉच का स्टॉक जब्त कर 87,350 रुपये का माल जब्त किया है तथा दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

यह अवैध भंडार उल्हासनगर में डर्बी होटल के बगल में एक पेट्रोल पंप के पास सड़क पर पाया गया। इस कार्रवाई को राज्य आबकारी विभाग की बड़ी सफलता माना जा रहा है। उल्हासनगर के राज्य आबकारी विभाग के निरीक्षक बी. के. जाधव के नेतृत्व में, सेंट्रल पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर उल्हासनगर कैंप 3 में डर्बी होटल के पास एक पेट्रोल पंप के पास जाल बिछाया गया। इस अभियान के दौरान दो व्यक्तियों नवीन रमेश लाल लुंड और पंकज सुनील तेजवानी को हिरासत में लिया गया।

उल्हासनगर स्टेशन के टिकट काउंटर का स्लैब ढहा

- कर्मचारी बाल-बाल बचे

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पूर्वी टिकट काउंटर पर एक स्लैब गिर गया। काउंटर स्टाफ कुछ सेकंड के अंतर से बाल-बाल बच गया। अन्यथा, एक बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। इस घटना से यात्रियों में भय का माहौल पैदा हो गया है और स्टेशन पर मरम्मत कार्य पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मध्य रेलवे के उल्हासनगर स्टेशन के पूर्वी हिस्से में टिकट काउंटर पर काम चल रहा था, तभी अचानक स्लैब गिर गया। इस समय काउंटर पर कर्मचारी काम कर रहे थे। लेकिन सावधानी बरतते हुए वे समय रहते वहां से निकल आए और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस घटना से कुछ क्षण के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने तत्काल कदम उठाए।

सुरक्षा कारणों से पूर्व की ओर की सभी टिकट खिड़कियां बुधवार रात 10 बजे से गुरुवार शाम 4 बजे तक बंद कर दी गईं। मरम्मत कार्य शुरू हो गया तथा यात्रियों को अग्रिम सूचना देने के लिए संकेत लगा दिए गए हैं। रेलवे स्टेशन पर कुल 5 टिकट खिड़कियाँ हैं, जिनमें से 3 पूर्व की ओर और 2 पश्चिम की ओर हैं। यात्रियों को पश्चिम की खिड़की की ओर भागना पड़ा क्योंकि पूर्व की खिड़कियाँ बंद थीं।

यात्रियों और स्थानीय निवासियों ने कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया है। मांग है कि पूरे काउंटर और परिसर का संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और उचित मरम्मत की जाए। यह घटना रेलवे प्रशासन के लिए एक चेतावनी है और यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐसे मामलों पर तत्काल ध्यान देना जरूरी है। अन्यथा भविष्य में गंभीर दुर्घटना घट सकती है।

22 लाख की एमडी-गांजा के साथ 3 गिरफ्तार

कल्याण. ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के कल्याण जोन 3 में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की गई। विशेष कार्रवाई पथक और संबंधित पुलिस थानों की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त किए हैं।

बता दें कि 18 जुलाई की शाम फोर्टिस हॉस्पिटल के पास एपीएमसी मार्केट की सड़क पर गश्त कर रही टीम को दो युवक संदिग्ध अवस्था में मिले। तलाशी में उनके पास से 110 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत करीब 22 लाख बताई गई है। आरोपी मोहम्मद कैफ मंसूर शेख और फरदीन आसिफ शेख के खिलाफ बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

एक अन्य कार्रवाई में 17 जुलाई को खड़कपाड़ा क्षेत्र में योगीधाम रोड पर साईं दर्शन ढाबे के पास रवि शिवाजी गवली नामक आरोपी से 1120 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत 25,000 आंकी गई है। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 (ए), 20 (बी) के तहत मामला दर्ज है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बिहार में बेखौफ अपराधी

ऐसा लगता है कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं, लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और सरकार लाचार है। राज्य की राजधानी में भी सरेआम गोलियां चल रही हैं और हत्याओं का एक सिलसिला-सा चल पड़ा है। जाहिर है, कानून व्यवस्था इस समय पूरी तरह अनुपस्थित लगती है। अपराधियों में कानून का खौफ नहीं दिख रहा और वे किसी की हत्या कर आसानी से फरार हो जाते हैं। यह एक तरह से घोर अराजकता का माहौल है। जबकि कुछ महीनों बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। यह कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का भी संकेत है कि राजधानी के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हिस्सों में भी अपराधी किसी की हत्या करके आराम से निकल जाते हैं।

फिल्मी अंदाज में हत्या, बिना डर भागे अपराधी

गुरुवार को एक अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में फिल्मी अंदाज में कुछ बदमाश आए और एक व्यक्ति की हत्या करके हथियार लहराते बिना रोकटोक के निकल गए। इससे पहले पटना में एक व्यवसायी और फिर एक वकील सहित लगातार कई हत्याओं ने कानून-व्यवस्था की हकीकत को सामने रख दिया था। इसके बावजूद सरकार और पुलिस को सजग होने की जरूरत महसूस नहीं हुई। सवाल है कि क्या यह बिहार की पुलिस की नजर में कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है? राज्य में हत्या की ताबड़तोड़ घटनाओं के पीछे क्या कारण है और अपराधी इस हद तक बेलगाम क्यों दिख रहे हैं? अपराध का यह सिलसिला कैसे और किन वजहों से बेरोकटोक चल रहा है? कथित सुशासन के दावों के बीच अगर पुलिस की कार्यप्रणाली चुस्त है, तो आपराधिक तत्त्व खुद को इतना बेखौफ क्यों पा रहे हैं?

हैरानी की बात यह है कि इस चिंताजनक परिदृश्य में बिहार के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मई से जुलाई के बीच वारदात बढ़ने की बात कर रहे हैं। फसल का मौसम न होने से खाली बैठे किसानों पर आरोप मढ़ने का उनका बयान न केवल अफसोसनाक है, बल्कि यह भी दर्शाता हैं कि उच्च पदों पर बैठे लोग किस हद तक गैरजिम्मेदार तरीके से बचाव कर सकते हैं। गंभीर मामलों से सख्ती से निपटने के बजाय बेहद उथली दलील देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश को किस तरह देखा जाएगा?

देश में कब थमेंगे सड़क हादसे?

अपने देश में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी सिलसिले के बीच पिछले दिनों लखनऊ के परिवहन आयुक्त ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखा कि कामर्शियल वाहनों को कहीं से भी फिटनेस प्रमाणपत्र लेने की जो सुविधा प्रदान की गई है, उससे अराजकता फैल रही है। उन्होंने इंगित किया कि यदि एक वाहन पुलिस के कब्जे में हो तो उसका सर्टिफिकेट कहीं और से भी मिल गया। उन्होंने गोरखपुर, कानपुर समेत सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े ऐसे मामलों का जिक्र किया। उनका सुझाव था कि फिटनेस सर्टिफिकेट देने की पुरानी व्यवस्था फिर से लागू करना ठीक होगा।

ये सर्टिफिकेट क्षेत्रीय आरटीओ प्रदान करते थे। यह अपने देश में चलन बन गया है कि यदि सरकार नागरिकों को कोई सुविधा प्रदान करती है तो अनेक लोग उसका दुरुपयोग शुरू कर देते हैं। इसके चलते सरकारों को नागरिकों की सहूलियत के लिए प्रदान की गई सुविधाओं अथवा सेवाओं में फेरबदल करने को मजबूर होना पड़ता है। आखिर लोगों को अपनी कामर्शियल गाड़ियों की फिटनेस सही तरीके से कराने में क्या समस्या है? यदि उनके वाहन फिट नहीं होंगे तो दुर्घटना का खतरा रहेगा और सर्विस एवं मरम्मत खर्च भी बढ़ेगा। जिस भी गाड़ी की समय पर सर्विस होती है, उसमें ईंधन की भी खपत कम होती है। इसके बावजूद लोग लापरवाही बरतते हैं।

चूंकि पहले वाहनों की फिटनेस जांच में घपले होने और पैसे देकर

फर्जी सर्टिफिकेट देने के मामले सामने आते रहते थे और वाहन मालिकों को आरटीओ से फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने में कठिनाई भी होती थी, इसलिए सरकार ने एक सुविधा प्रदान की, लेकिन बात बनी नहीं। बात इसलिए नहीं बनी, क्योंकि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

बात केवल इसकी ही नहीं है कि भ्रष्टाचार के चलते कामर्शियल वाहनों की फिटनेस के मामले में उपयोगी नियम-कानून पर सवाल उठ रहे हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति अन्य मामलों में भी है और इसका एक कारण औसत सरकारी कर्मचारियों की अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार है। यह किसी से छिपा नहीं कि आधारभूत ढांचे के निर्माण और रखरखाव से लेकर अन्य क्षेत्रों में गैरजिम्मेदार सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की लापरवाही तथा भ्रष्टाचार के मामले सामने आते ही रहते हैं। किसी की सरकार हो, ऐसे मामले थमने का नाम नहीं लेते। इसका एक कारण तो यह है कि आजादी के बाद से ही नौकरशाही की जवाबदेही तय नहीं हो पा रही है।

चूंकि सरकारी सेवा में आने के बाद कामचोर और भ्रष्ट लोगों की नौकरी भी मुश्किल से जाती है, इसलिए नौकरशाही के भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग पा रही है। इस भ्रष्टाचार ने जनता के समक्ष परेशानी खड़ी करने के साथ देश के विकास में बाधाएं डालने का भी काम किया है। शासन-प्रशासन के कई क्षेत्रों में समय के साथ सुधार होने के बजाय पहले जैसी स्थितियां हैं और जहां तक बुनियादी ढांचे के निर्माण की बात है, वहां तो भ्रष्टाचार न पहले नियंत्रित था और न आज है।

आखिर क्या कारण रहा कि मोदी सरकार ने नए संसद भवन का निर्माण सीपीडब्ल्यूडी या ऐसी ही किसी अन्य एजेंसी के बजाय टाटा की कंपनी से कराया? क्या अब सरकारों को अपनी ही एजेंसियों पर भरोसा नहीं या उन्हें आभास हो गया है कि वे सुधरने वाली नहीं? आमतौर पर निजी क्षेत्र की ओर से किए जाने वाले निर्माण की गुणवत्ता अपेक्षाकृत अच्छी होती है, लेकिन सरकारी एजेंसियों की ओर से कराए जाने वाले निर्माण की गुणवत्ता सुधरने का तो नाम ही नहीं ले रही है। समस्या यह है कि निर्माण क्षेत्र में सरकारी एजेंसियों वाला भ्रष्टाचार अब निजी क्षेत्र में भी देखने को मिलने लगा है।

सरकारें सबसे बड़ी नियोक्ता हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्रालय भी मानकों के हिसाब से काम नहीं करा पा रहे हैं। सत्ताधारी यह जानते हैं कि बुनियादी ढांचे की योजनाओं का जिस तरीके से निर्माण एवं संचालन होना चाहिए, वैसा मुश्किल से हो पा रहा है। इसके चलते ही सरकारों की ओर से कंसल्टिंग कंपनियों को विभिन्न कामों का ठेका देने का चलन बढ़ रहा है। आखिर सरकारों को कंसल्टिंग कंपनियों की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या शीर्ष नौकरशाह और खासकर आइएएस काबिल नहीं या फिर उनकी भर्ती प्रक्रिया सही नहीं?

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमें अपनी ओर से पूरा प्रयास करना चाहिए और यह विश्वास रखना चाहिए कि प्रभु हमारी संभाल करेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.५० तक

भारत का साफ जवाब, धमकी नहीं चलेगी

इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो। मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है?

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस

से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में 'दोहरे मापदंडों' के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा। मगर तब रूस से भारत और चीन ने तेल की खरीद जारी रखी और यही वजह है कि प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए।

सवाल है कि अगर नाटो और अमेरिका अन्य देशों के नीतिगत मामलों में इस स्तर पर जाकर दखल देना चाहते हैं, तो क्या यह प्रत्यक्ष रूप से दोहरे मापदंड नहीं हैं! राष्ट्रपति बनने के साथ ही ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए बढ़-चढ़ कर दावे किए थे। मगर अब यह साफ है कि इस दिशा में ट्रंप की कोशिशों का कोई असर नहीं हुआ। उल्टे अमेरिका यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। अब नाटो भारत, चीन और ब्राजील से रूस के राष्ट्रपति को फोन करके शांति वार्ता के लिए गंभीर होने को कह रहा है तो इसके क्या मायने हैं?

भारत के पास अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, उपलब्धता के सीमित विकल्प हैं और फिलहाल जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसी के मुताबिक कदम उठाना होगा। यों भी एक संप्रभु देश अपनी जरूरतों के मुताबिक ही अपनी दिशा तय करता है और भारत ने यह साफ संदेश दे दिया है। इसके बावजूद अगर नाटो और अमेरिका की ओर से भारी शुल्क या फिर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जाती है तो दरअसल यह टकराव और दबाव की वही नीति है, जिसे खत्म करने की वे इच्छा जता रहे हैं।

ओंकारेश्वर धाम : नर्मदा के बीच बना 'ॐ'!

जरा हट के

क्या आपने कभी नदी के बीच 'ॐ' के आकार में बने द्वीप को देखा है? अगर नहीं, तो आपको ओंकारेश्वर जरूर जाना चाहिए. मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में स्थित यह तीर्थस्थान न केवल 12 ज्योतिर्लिंगों में एक है, बल्कि इसका प्राकृतिक स्वरूप भी लोगों को चौंका देता है.

नर्मदा नदी के प्रवाह में बना यह द्वीप 'ॐ' आकार का है, जो धार्मिक और भौगोलिक दोनों दृष्टियों से बेहद महत्वपूर्ण है. इसे मंडहाटा या शिवपुरी के नाम से भी जाना जाता है.

पौराणिक कहानियों से जुड़ा है 'ॐ' का रहस्य

मान्यता है कि यहीं पर भगवान शिव ने देवताओं की तपस्या से प्रसन्न होकर 'ॐ' रूप में प्रकट होकर ज्योतिर्लिंग की स्थापना की. एक कथा के अनुसार, राजा मंधाता की कठोर साधना के कारण उन्हें शिव ने यह वरदान दिया था.

मंदिर की भव्यता भी करती है आकर्षित

ओंकारेश्वर मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें गर्भगृह में स्वयंभू शिवलिंग है. वहीं नर्मदा तट पर स्थित मामलेश्वर मंदिर को भी ओंकारेश्वर का ही दूसरा स्वरूप माना जाता है.

सावन में भक्तों की भारी भीड़

श्रावण मास और महाशिवरात्रि पर यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. शाम की आरती, दीपों की श्रृंखला और मंत्रोच्चारण का दृश्य हर किसी को आध्यात्मिक अनुभव से भर देता है.

प्राकृतिक और ऐतिहासिक महत्व

यह द्वीप सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वतमालाओं के बीच स्थित है. यहां की हरियाली, नर्मदा की धारा और शांत वातावरण इसे प्रकृति का एक अनोखा चमत्कार बनाते हैं. इसका इतिहास परमार और होल्कर वंश से जुड़ा है और वर्तमान में ASI इसकी देखरेख करता है.

कॉर्न पकौड़े

खाना-खजाना

मानसून में गरमा-गरम कॉर्न पकौड़े मिल जाएं, तो मजा ही आ जाता है। इन्हें बनाना बहुत आसान है और ये शाम के नाश्ते के लिए एकदम परफेक्ट हैं।

सामग्री :

- दो कप कॉर्न
- बेसन आधा कप
- चावल का आटा दो चम्मच
- प्याज एक बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च
- अदरक-लहसुन का पेस्ट एक चम्मच
- धनिया पत्ती बारीक कटी हुई
- हल्दी पाउडर एक चौथाई
- लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार
- गरम मसाला आधा चम्मच
- जीरा आधा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- पानी
- तेल

विधि :

सबसे पहले अगर आप ताजे भुट्टे का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें उबाल लें या स्टीम कर लें। आधे दानों को दरदरा पीस लें। बाकी को साबुत रहने दें। अब एक बड़े कटोरे में पिसे हुए और साबुत

भुट्टे के दाने लें। इसमें बेसन, चावल का आटा, बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, धनिया पत्ती, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा और नमक डालें। सभी को अच्छे से मिक्स कर लें।

अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार करें। ध्यान रहे बैटर को बहुत पतला नहीं करना है। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तो चम्मच या हाथों की मदद से पकौड़े को गरम तेल में डालें। पकौड़ों को सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। अब पकौड़ों को टिशू पर निकाल लें। गरमा-गरम कॉर्न पकौड़ों को आप हरी चटनी, इमली की चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोस सकती हैं। इसे चाय के साथ भी सर्व किया जा सकता है।

डायबिटीज के मरीजों की आंखें क्यों होने लगती हैं खराब?

समय रहते जानें कारण और रोकथाम के तरीके

डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़े रहने की बीमारी नहीं है, इसका शरीर पर कई अन्य तरह से भी असर हो सकता है। जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी

हमारी आंखें एक कैमरे की तरह हैं, जो हमें दुनिया को देखने में मदद करती हैं। लेकिन जब शरीर में शुगर का स्तर लंबे समय तक बढ़ा हुआ रहता है, तो यह स्थित आंखों की रोशनी को धीरे-धीरे धुंधला करने लग जाती है। इसे डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है। ये आंखों से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, और अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो अंधापन तक हो सकता है।

अब सवाल ये है कि हाई शुगर की स्थिति आंखों को कैसे नुकसान पहुंचाती है?

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शुक्ला बताते हैं, डायबिटीज की समस्या शरीर में मौजूद रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) को नुकसान पहुंचाने लगती है। आंखों में भी बेहद नाजुक रक्तवाहिकाएं होती हैं। रेटिना वाले हिस्से में मौजूद वाहिकाएं हाई शुगर के कारण प्रभावित होने लग जाती है। जिन लोगों का शुगर का लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें आंखों की रक्तवाहिकाओं में लीक होने या सूजन की दिक्कत देखी जाती है।

■ अध्ययनों से क्या पता चला?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डायबिटीज के कारण होने वाला अंधापन 20-65 वर्ष की उम्र के लोगों में सबसे प्रमुख कारणों में से एक है। हर तीन में से एक डायबिटिक व्यक्ति को किसी न किसी स्तर की रेटिनोपैथी की समस्या हो सकती है।

वहीं लैंसेंट डायबिटीज और एंड्रोक्रोनोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चलता है कि लगातार 10 साल से अधिक समय से डायबिटीज से ग्रसित लोगों में आंखों की जटिलता की आशंका 60% तक बढ़ जाती है।

■ आंखों की इन दिक्कतों से कैसे बचें?

डॉक्टर कहते हैं, डायबिटीज के साथ जिनका ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी हाई रहता है उनमें आंखों की समस्या होने का जोखिम और अधिक हो सकता है। हाई शुगर सकी समस्या के साथ अगर आपको धुंधला दिखने लगे, आंखों के सामने छोटे-छोटे धब्बे नजर आ रहे हों, रात में देखने में दिक्कत हो या फिर रंग पहचानने में परेशानी हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

आप पहले से ही कुछ बातों पर ध्यान देकर आंखों की इस समस्या से बचाव कर सकते हैं।

- ब्लड शुगर कंट्रोल में रखें और हर 6-12 महीने में आंखों की जांच कराएं।
- ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल में रखें।
- धूम्रपान छोड़ दें, इससे आंखों की समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।
- रोजाना हरी सब्जियां, फल और नट्स खाएं। इसके साथ शारीरिक व्यायाम या वॉक जरूर करें।

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन : सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या : शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्य हो सकता है।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक : किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु : राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कुंभ : चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन : कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कई परेशानियों का हल सेहुंड का पत्ता

हमारे आसपास तमाम ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जो सेहत के लिए औषधि साबित हो रहे हैं. इन पौधों के फल-फूल ही नहीं, पत्तियां भी सेहत लाभ देने में पीछे नहीं हैं. आयुर्वेद इनका इस्तेमाल दवाओं के रूप में वर्षों से करता आ रहा है. हालांकि, हमें इनकी जानकारी न होने से हम इनका लाभ नहीं ले पाते हैं. ऐसे ही एक औषधीय पौधे का नाम सेहुंड है. इस पौधे की पत्तियां हमारे जीवन में संजीवनी की तरह काम करती हैं.

बता दें कि, सेहुंड का पत्ता बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की सेहत के लिए असरदार होता है. इसके सेवन से खासी और बवासीर जैसी गंभीर बीमारियां ठीक की जा सकती हैं. अब सवाल है कि आखिर सेहुंड की पत्तियां सेहत के लिए फायदेमंद कैसे? सेहुंड के पत्तों के फायदे क्या होते हैं? इस बारे में बता रहे हैं राजकी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ की **डॉ. शचि श्रीवास्तव-**

सेहुंड की पत्तियां इन परेशानियों में अमृत समान

खांसी: हर मौसम में बच्चों को सर्दी खांसी सबसे ज्यादा परेशान करती है. इसके लिए लोग बाजार से महंगी दवाइयां लाते हैं. लेकिन, आपको बता दूं कि, सेहुंड की पत्तियां भी खांसी से राहत दिला सकती हैं. एक्सपर्ट के बताए अनुसार, इनके सेवन से खांसी में आराम मिल सकता है. इन पत्तियों के इस्तेमाल के लिए सबसे पहले 2 से 3 सेहुंड के पत्ते लेकर तबा पर हल्का गर्म कर लेंगे. इसके

बाद इन्हें मसलकर रस निकाल लेंगे. अब इस रस में थोड़ा सा नमक मिक्स करके बच्चों को पिलाएं. अगर बच्चा ज्यादा छोटा है, तो आप इसमें नमक की जगह गुड़ दे सकते हैं.

बवासीर: बवासीर किसी भी व्यक्ति को परेशान करने के लिए काफी है. इसकी स्थिति बढ़ने पर बेतहाशा दर्द बढ़ जाता है. यदि किसी को इस तरह की दिक्कत है तो ऐसी स्थिति में सेहुंड की पत्तियां काफी असरदार साबित हो सकती हैं. इसके लिए आप सेहुंड की पत्तियों को गर्म करके उनका रस निकाल लेंगे. इसके बाद इसमें थोड़ा सा हल्दी पाउडर और दूध मिक्स करेंगे. अब इस लेप को बवासीर वाले स्थान पर लगाएंगे. ऐसा करने से आपको बवासीर की परेशानी से राहत मिल सकती है.

मस्सा-फुंसी: मस्सा और फुंसी दोनों ही आपकी पर्सनॉलिटी को खराब करने के लिए काफी हैं. इनके होने से स्किन तो खराब होती ही है, दर्द भी परेशान करता है. यदि किसी को इस तरह की समस्या है तो वह सेहुंड की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकता है. इससे फोड़े-फुंसी और मस्से से निजात पाई जा सकती है. इसके लिए इन पत्तियों से निकलने वाला दूध लेना है. अब इस दूध को फोड़ा-फुंसी और मस्से के स्थान पर लगाना है. ऐसा करने से संभव है कि आपको आराम मिलेगा.

सूजन: शरीर में सूजन जैसी परेशानी को खत्म करने के लिए भी सेहुंड की पत्तियों का इस्तेमाल किया जा सकता है. हालांकि इस परेशानी में इसकी पत्तियां नहीं, बल्कि इससे निकलने वाला दूध कारगर होता है. यदि आप इस तरह की दिक्कत से जूझ रहे हैं तो इन पत्तियों से निकलने वाले दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए आपको सेहुंड की पत्तियों से दूध निकालना है. अब इसे सूजन होने वाले स्थान पर लगाएंगे. ऐसा 4-5 बार करेंगे तो आपको राहत महसूस होने लगेगी.

बारिश में मक्खियों को भगाने के ये हैं आसान घरेलू उपाय

- कपूर और लौंग जलाने, तुलसी-पुदीना रखने, सेब का सिरका और नींबू-लौंग का उपयोग मक्खियों को भगाने के घरेलू उपाय हैं. इनसे घर साफ और स्वस्थ रहता है.
- एक छोटी कटोरी में कपूर और लौंग को जलाएं. इसके धुएं से मक्खियां दूर भागती हैं. कमरे में थोड़ी देर के लिए जलाकर बाहर निकल जाएं और खिड़की खोलकर रखें.
- तुलसी और पुदीना की खुशबू मक्खियों को बिलकुल पसंद नहीं होती हैं. खिड़कियों के पास या किचन में इन पौधों को रखें. ये मक्खियों को भगाते हैं और घर में ताजगी भी लाते हैं.
- एक बर्तन में थोड़ा सा सेब का सिरका लें और उसमें कुछ बूंदें लिक्विड डिश सोप की डालें. इसे खुले में रखें या स्प्रे बोतल से मक्खियों पर छिड़कें. सिरके की महक मक्खियों को आकर्षित करती है और लिक्विड डिश सोप उन्हें मारने में मदद करता है.
- एक नींबू को दो टुकड़ों में काट लें और उसमें 5-6 लौंग चुभो दें. इन्हें कमरे, किचन या खाने के पास रख दें. इसकी तेज़ गंध मक्खियों को पास फटकने नहीं देती.
- इन आसान घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपने घर से मक्खियों को दूर रख सकते हैं और अपने घर को साफ-सुथरा और स्वस्थ बना सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पति ने शराब के लिए गहनों को लगाया हाथ तो गुस्से से बेकाबू पत्नी ने डंडा मार ले ली जान

कुशीनगर. कुशीनगर जिले शराब पीने के लिए गहने बेचने जा रहे पति को उसकी पत्नी ने मार डाला। पत्नी ने पति के सिर पर डंडे से घातक प्रहार किए। पत्नी के इस हमले में पति की जान चली गई। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल बकुलहा ब्रह्मस्थान के पास यह घटना हुई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। जंगल बकुलहा ब्रह्मस्थान निवासी लालचंद (उम्र 40 वर्ष) शराब का आदी था। इसको लेकर आए दिन पत्नी किरन से उसका विवाद होता था। शनिवार की शाम लालचंद शराब पीने के लिए पत्नी के गहने बेचने ले जा रहा था। पत्नी ने रोका तो उसने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। किरन उठी और उसने डंडे से लालचंद के सिर पर प्रहार कर दिया। लालचंद जमीन पर गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बेटा-बेटी और पति को छोड़ भाग गई महिला

गोरखपुर. यूपी में पति-पत्नी के बीच बेवफाई के किस्से आए दिन सुनने को मिल रहे हैं। इसी बीच गोरखपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली एक शादीशुदा महिला इंस्टाग्राम दोस्त के साथ पंजाब भाग गई। उसके दो बच्चे 19 साल की बेटी और 10 साल का बेटा भी है। महिला के पति ने कोतवाली थाने में शनिवार की रात केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर ही है। कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले परविंदर (काल्पनिक नाम) ने पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। परविंदर ने बताया कि अपनी 42 वर्षीय पत्नी को सोने के जेवरात और 2 लाख रुपये दिए थे। दोनों बच्चों के भविष्य को देखते हुए उनकी पढ़ाई के लिए गहने और रुपये सुरक्षित रखने को कहा था।

छात्रा ने शोहदे को बीच सड़क पर सिखाया सबक, कॉलर पकड़कर ताबड़तोड़ बरसाए थप्पड़

यूपी के उन्नाव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक छात्रा ने चप्पलों से सरेआम युवक को पीट दिया। फिर दनादन थप्पड़ बरसाए। राहगीर बस तमाशा देखते रहे। वही किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। जो देखते ही देखते वायरल हो गया। आरोप है कि युवक ने छात्रा के साथ छेड़खानी की थी। ये घटना गंगाघाट के पोनी रोड का है। जहां कानपुर के जुहारी देवी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा शनिवार दोपहर स्कूल से घर लौट रही थी। शुक्लागंज में पोनी रोड के पास स्थित नीलम स्वीट्स के पास एक युवक ने छात्रा के साथ बदतमीजी कर दी। आरोप है कि आए दिन युवक छात्रा को तंग करता था। जिससे वह परेशान चल रही थी। छात्रा ने साहस दिखाते हुए मौके पर ही आरोपी को थप्पड़ों से पीट दिया और हाथ में ईंट उठा ली। मार खाने के बाद युवक भागने के लिए इधर-उधर भागता रहा लेकिन छात्रा ने रहम न दिखाते हुए उसे पीट दिया। साथ ही युवती ने लड़के को मां-बहन की गालियां भी दी। वहीं इस घटना से मौके पर भीड़ लग गई।

चीन का नया बांध भारत के लिए चिंता की बात

- क्यों कहा जा रहा 'वॉटर बम'

नई दिल्ली. चीन ने भारतीय सीमा पर नया बांध बनाना शुरू कर दिया है। यह बांध तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर बनाया जा रहा है। चीनी परिषद ने अपनी वेबसाइट पर इस बांध को लेकर जानकारी दी है।बनकर तैयार होने के बाद यह दुनिया का सबसे बड़ा बांध होगा। चीन की इस हरकत ने भारत ने माथे पर चिंता की लकीरें गहरी कर दी हैं। इसके पीछे कई वजहें हैं। असल में यह बांध नहीं, बल्कि चीन का एक वॉटर बम है, जिसे वह भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा इस बांध की लोकेशन ऐसी है जो भारत के लिए रणनीतिक लिहाज से काफी अहम है। इसके अलावा इस लोकेशन पर टैक्टोनिक प्लेट्स के टकराने से भूकंप का खतरा भी बना रहता है।

भारतीय सीमा के करीब

चीन भारतीय सीमा के नजदीक यह बांध बना रहा है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने इस बांध के निर्माण का ऐलान कर दिया है। यह बांध चीन के न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहा है। यह बांध

हिमालय पर्वतमाला में एक विशाल घाटी पर बनाया जाएगा। इसी जगह पर ब्रह्मपुत्र नदी एक विशाल 'यू-टर्न' लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में प्रवेश करती है। ब्रह्मपुत्र नदी चीन में सांगपो के नाम से जानी जाती है। यह नदी दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत में कैलाश पर्वत के पास जिमा यांगजोंग ग्लेशियर से निकलती है। इसकी लंबाई 1,700 किलोमीटर है। यह भारत में अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी में, फिर असम में ब्रह्मपुत्र और बाद में बांग्लादेश पहुंचती है।

भारत में इस बात को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो गईं कि बांध के आकार और पैमाने के कारण चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने का अधिकार तो मिलेगा ही, साथ ही इससे बीजिंग को युद्ध के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ लाने के लिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़ने में भी मदद मिलेगी। साल 2020 में एक ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक ने रिपोर्ट पब्लिश की थी। इसके मुताबिक चीन तिब्बत के पठार की नदियों को कंट्रोल करके भारत को परेशानी में डाल सकता है।

167.8 अरब डॉलर की लागत

यह बांध 167 .8 अरब डॉलर की लागत से बनाया जा रहा है। यहां पर पांच हाइड्रोपॉवर स्टेशंस बनेंगे। यहां बने जल विद्युत स्टेशन से हर साल 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली पैदा होने की उम्मीद है। इससे चीन में करीब 30 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा। अभी तक चीन में यांग्जी नदी पर बना था, जहां सबसे ज्यादा बिजली पैदा होती है।

अमेरिका और नाटो के ऐतराज के बीच व्लादिमीर पुतिन आ रहे दिल्ली

नई दिल्ली. रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते बढ़ते वैश्विक तनाव और अमेरिका-नाटो के तीखे ऐतराज के बावजूद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के अंत में भारत दौरे पर आने वाले हैं। उनका यह दौरा भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के सिलसिले में होगा, जो 2021 के बाद पहली बार नई दिल्ली में आयोजित होगा। यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब अमेरिका और नाटो (NATO) में शामिल देश रूस पर लगातार प्रतिबंध बढ़ा रहे हैं और भारत से रूसी रक्षा और ऊर्जा सहयोग पर पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस सम्मेलन के दौरान रक्षा उद्योग में सहयोग, ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी, परमाणु ऊर्जा सहयोग, आर्कटिक क्षेत्र में भारत की भूमिका का

विस्तार और हाई-टेक सेक्टर में संयुक्त रोडमैप पर काम जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। हाल ही में पुतिन ने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध पर रूस ने भारत को उर्वरक निर्यात बढ़ाया है, जिससे भारतीय खाद्य सुरक्षा को बल मिला। वहीं, भारत और रूस के बीच नए परमाणु संयंत्र के दूसरे स्थान को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी इस शिखर सम्मेलन के दौरान पूरी हो सकती है।

अमेरिका और NATO को क्यों है आपत्ति?

रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीद और रक्षा साझेदारी जारी रखी है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से दूरी बनाए, खासकर उच्च तकनीक और सैन्य मामलों में कोई व्यापार नहीं करे। वहीं, NATO देश इस बात चिंतित हैं कि भारत का यह रुख G7 और पश्चिमी दुनिया की रणनीति को कमजोर कर सकता है। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करता है। रूस एक पुराना और भरोसेमंद सहयोगी है।

जूनागढ़ में पत्नी को भूले शिवराज

- रास्ते में याद आया तो 22 गाड़ियों के काफिले के साथ लौटे
- साधना वेटिंग रूम में बैठी मिलीं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को जूनागढ़ में एक दिलचस्प जल्दबाजी कर बैठे। वे पत्नी साधना सिंह को छोड़कर 22 गाड़ियों के काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट की ओर रवाना हो गए। एक किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि ख्याल आया- पत्नी तो साथ में हैं ही नहीं। काफिला तुरंत यू-टर्न लेकर मूंगफली शोध केंद्र लौटा, जहां साधना सिंह प्रतीक्षालय में बैठी थीं।

दरअसल, शिवराज पत्नी के साथ गुजरात के धार्मिक व सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग और गिर के सिंहदर्शन के बाद शनिवार को मूंगफली शोध केंद्र में किसानों व 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं से संवाद कार्यक्रम था। उन्हें रात

8 बजे राजकोट से फ्लाइट पकड़नी थी और रास्ता खराब होने के कारण वे हड़बड़ी में थे। कार्यक्रम के मंच पर बार-बार घड़ी देखते रहे। खुद माइक से कहा- "राजकोट का रास्ता खराब है, अगली बार फुर्सत से आऊंगा।' उन्होंने भाषण छोटा किया और तेजी से काफिले के साथ निकल गए। उधर, साधना गिरनार दर्शन के बाद लौट चुकी थीं और प्रतीक्षालय में बैठी थीं। शिवराज को ख्याल आया कि पत्नी तो साथ में हैं नहीं। फिर फोन पर संपर्क साधा। इसके बाद काफिले संग लौटे और पत्नी को लेकर राजकोट निकले।

मानसून सत्र पर सर्वदलीय बैठक

- रिजिजू बोले- संसद चलाना सबकी जिम्मेदारी
- कांग्रेस ने कहा- मोदी पहलगाम जैसे मुद्दों पर जवाब दें

नई दिल्ली. संसद के मानसून सत्र से ठीक एक दिन पहले रविवार को सभी दलों की बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई मीटिंग डेढ़ घंटे से ज्यादा चली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में सभी दलों के सदस्यों ने बात रखी।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- इस सत्र में हम पहलगाम, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) जैसें मुद्दों को उठाएंगे। सरकार के प्रमुख प्रधानमंत्री की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें।

सर्वदलीय बैठक में जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू समेत कई वरिष्ठ मंत्री पहुंचे। इसके अलावा NDA और विपक्ष के विभिन्न दलों के नेता और उनके संसद में दलों के प्रमुख भी मौजूद रहे। विपक्ष कई अहम मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम किया जाएगा। सरकार चाहती है कि इस सत्र में बिना किसी रुकावट के जरूरी विधायी काम पूरे हों।

सरकार मानसून सत्र में 8 बिल पेश करेगी

- केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है।
- जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

अस्पताल हत्याकांड-कोलकाता में शूटर समेत 8 गिरफ्तार

- पटना लाया जा रहा
- इनमें एक महिला भी
- नीतीश ने SSP को किया तलब, जानकारी ली

पटना. पटना के पारस अस्पताल में 17 जुलाई को हुई गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के मामले में पटना पुलिस और पश्चिम बंगाल STF की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। कोलकाता से शूटर तौसीफ उर्फ बादशाह, उसके मौसेरे भाई निशु खान समेत 8 को गिरफ्तार किया गया है।

इन दोनों के अलावा सचिन सिंह, हर्ष उर्फ हरीश कुमार, भीम कुमार और एक महिला अल्पना दास को भी दबोचा गया है। एसटीएफ और पटना पुलिस टीम ने शनिवार की शाम को कोलकाता की अलग-अलग जगहों पर छापा मारा।

कोलकाता से पकड़े गए

आरोपियों पर चंदन मिश्रा की हत्या करने के बाद पटना से कोलकाता भगाने, हथियार देने और साजिश में शामिल होने का आरोप है। बादशाह के परिजन ने ही इन पांचों शूटरों के कोलकाता भागने का सुराग दिया था। जिन पांच शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया, उनमें तौसीफ उर्फ बादशाह, मोनू, बलवंत, अभिषेक और नीलेश शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार कोलकाता में गिरफ्तार 8 आरोपियों को कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पुलिस पटना लेकर आएगी।

इधर रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना SSP कार्तिकेय शर्मा को तलब किया। CM ने केस की पूरी जानकारी ली। पटना SSP के मुताबिक, तौसीफ के भाई निशु खान के आवास पर हत्या की साजिश रची गई थी। वारदात को मुख्य अपराधी तौसीफ उर्फ बादशाह लीड कर रहा था।

6 अन्य को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पटना पुलिस चंदन मिश्रा हत्याकांड का रविवार को खुलासा कर सकती है। वहीं, पटना में लापरवाही बरतने वाले 1 दरोगा, 2 ASI और 2 सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है।

एक ही परिवार के 5 लोगों ने किया सुसाइड

- रात के खाने में खाया जहर, पति-पत्नी और 3 मासूम बच्चों की मौत

अहमदाबाद. अहमदाबाद जिले के बगोदरा गांव में शनिवार रात एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। मरने वालों में पति, पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे शामिल हैं।

मृतकों की पहचान विपुल वाघेला (32), उनकी पत्नी सोनल (26), बेटी करीना उर्फ सिमरन (11), बेटा मयूर (8) और बेटी प्रिंसी (5) के रूप में हुई है। बगोदरा बस स्टेशन के पास किराए के मकान में रहने वाले परिवार के मुखिया विपुल वाघेला ऑटो चलाकर परिवार का गुजर-बसर करते थे। प्राथमिक जांच में घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते अब तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, सुसाइड का कारण आर्थिक तंगी बताया जा रहा है।

शनिवार की रात पांचों सदस्यों ने रात में जहर खा लिया था, जिससे सभी की मौत हो गई। सुबह घर से किसी सदस्य के बाहर न आने पर पड़ोसियों को शक हुआ। जांच करने पर सभी की मौत का पता चला। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

आम सूचना

मैं श्रीमती अनिता देविन चंद्रजीत सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 180 चौ.फुट, बुद्धा नगर, वडार कॉलोनी, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 25बीओ017322300) उक्त प्रॉपर्टी श्री अवदेश विश्वकर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.7.2025 सी.नं. 1722 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिता देविन चंद्रजीत

आम सूचना

मैं श्रीमती सीमा धर्मेंद्र खैरालिया सभी को सूचित कर रही हूं कि हाफ पोर्शन आफ रुम, 126.5 चौ.फुट, भैया साहेब आंबेडकर नगर, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016179700) उक्त प्रॉपर्टी श्री मेहबूब मस्तान साहिब दुर्गाह के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 6.9.2021 सी.नं. 1750 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सीमा धर्मेंद्र खैरालिया

आम सूचना

मैं श्रीमती मंजू सुर्जीतसिंघ लबाणा सभी को सूचित कर रही हूं कि पोर्शन आफ रुम, 300 चौ.फुट, रुम नं. 39, बैरक नं. 703 के सामने, हॉस्पिटल एरिया, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 26बीओ019820800) उक्त प्रॉपर्टी श्री भागूसिंघ सुंदरसिंघ लबाणा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.1.2023 सी.नं. 176 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मंजू सुर्जीतसिंघ लबाणा

आम सूचना

हम श्री शंकर रामचंद तलरेजा व श्रीमती लता शंकर तलरेजा सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 301, 3रा माला, संतोष अपार्टमेंट, बैरक नं. 890, रुम नं. 6 से 10, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 32सीओ006079300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पदमा बंसीलाल चावला व श्री किशोर बंसीलाल चावला के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 11.7.2025 सी.नं. 143 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शंकर रामचंद तलरेजा
व श्रीमती लता शंकर तलरेजा

चौथे टेस्ट से पहले अंशुल कंबोज टीम में शामिल

- पेसर आकाश दीप और अर्शदीप के चोटिल होने के बाद बदलाव

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है।

आकाश दीप कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में खेले थे, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। टेस्ट सीरीज से पहले खेले गए इंग्लैंड लायंस और इंडिया-ए सीरीज में कंबोज शामिल थे।

PTI के मुताबिक, आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है, जबकि अर्शदीप के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध होने की संभावना कम है। इसलिए सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है।

अर्शदीप बॉलिंग के दौरान चोटिल हुए

अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बॉलिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच टेन डोश्चेट ने बताया था कि बॉलिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टिस करना भी मुश्किल हो जाएगा।

भारतीय टीम मैनचेस्टर पहुंची

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें रविवार को मैनचेस्टर पहुंच गईं। उससे पहले टीमें लंदन के बेकनहम में ही प्रैक्टिस कर रही थीं। लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला गया था। जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली।

छतरपुर में गुप्तांग में मिर्ची डाली, थाने में उल्टा लटकाकर पीटा

4 युवकों की शिकायत पर 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

- 10 घंटे तक दिया था धरना

छतरपुर. छतरपुर में चार युवकों ने पुलिस पर थाने में मारपीट करने का आरोप लगाया है। युवकों का कहना है कि उनके कपड़े उतारकर उन्हें चार दिन तक पीटा गया। इतना ही नहीं गुप्तांग में मिर्च पाउडर डालने का भी आरोप पुलिस पर लगाया गया है। मामला बढ़ने के बाद मारपीट करने वाले तीनों पुलिसकर्मियों ASI शिवदयाल

बाल्मीकि, राम जाट और अरविन्द शर्मा को सस्पेंड कर लाइन अटैच किया गया है।

मामला जिले के नौगांव थाना क्षेत्र का है। शनिवार शाम करीब 4 बजे पीड़ित और भीम आर्मी के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पीड़ित जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर धरने पर बैठ गए। रात डेढ़ बजे समझाइश के बाद माने।

पुलिस तीन पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर गई। इधर देर रात कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पीड़ितों और पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात की। महाराजपुर के पूर्व कांग्रेस विधायक नीरज दीक्षित भी मुलाकात करने पहुंचे।

रविवार सुबह नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम ने बताया कि हम लोगों ने रात में पीड़ित परिवार को सुरक्षित उनके घर छोड़ दिया था। रात में घायलों की एमएलसी भी जिला अस्पताल में कराई थी। लापता व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है, जल्द ही उसका पता लगा लिया जाएगा।

थरूर बोले-पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। थरूर शनिवार को कोच्चि में 'शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास' पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

थरूर ने कहा कि पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा-

जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।

थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ की थी और ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार व सेना का समर्थन किया था। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में उनके बयान को लेकर नाराजगी दिखी थी।

ईरान की सबसे बड़ी ऑइल रिफाइनरी में लगी भीषण आग

ईरान की सबसे बड़ी अबादान ऑइल रिफाइनरी में रविवार को भीषण आग लग गई। इसके बाद आग बुझाने में पसीने छूट गए। जानकारी के मुताबिक कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ईरान की मीडिया के मुताबिक इस हादसे में कम से कम एक कर्मचारी की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आग से रिफाइनरी के ऑपरेशन में रुकावट नहीं आई है। ईरान के डिप्टी पार्ल्यामेंट स्पीकर अली निकजाद ने बताया कि ऑइल रिफाइनरी में आग लगने की वजह से कई कर्मचारी घायल भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऑइल रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लगी थी, इसलिए नुकसान ज्यादा नहीं हुआ है। हालांकि यूनिट जलकर खाक हो गई है। अबादान ऑइल रिफाइनरी ईरान की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी ऑइल रिफाइनरी है।

ईरान के लिए कितनी अहम है यह ऑइल रिफाइनरी

अबादान ऑइल रिफाइनरी राजधानी तेहरान से करीब 670 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी शुरुआत 1912 में हुई थी। इस्लामिक रिपब्लिक की यह सबसे बड़ी रिफाइनरी हर दिन करीब 52 लाख बैरल तेल रिफाइन करती है जो कि देश के कुल तेल उत्पादन का 25 फीसदी है।

संक्षेप...

रोहित पवार के खिलाफ FIR दर्ज

■ पुलिस से बहस की थी

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा लॉबी में मारपीट मामले में शरद गुट के विधायक रोहित पवार के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। दरअसल एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख की गिरफ्तारी के खिलाफ रोहित पवार ने पुलिस स्टेशन में अधिकारियों से बहस की थी। उन पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का आरोप है।

देवेंद्र फडणवीस से मिले आदित्य ठाकरे

■ 3 दिन पहले CM ने उद्धव से मुलाकात की थी;

■ सरकार में आने का ऑफर भी दे चुके

मुंबई. शिवसेना (UBT) नेता और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने शनिवार शाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों अलग-अलग कार्यक्रम के लिए 3 घंटे मुंबई के सोफिटेल होटल में थे। इस दौरान दोनों की करीब 1 घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, दोनों नेताओं ने किसी भी मीटिंग से इनकार किया है। CM ऑफिस के अनुसार मुख्यमंत्री होटल में मौजूद थे, लेकिन आदित्य ठाकरे से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई। सीएम किसी और कार्यक्रम के लिए होटल में आए थे, जबकि आदित्य डिनर के लिए अपने दोस्तों के साथ होटल में मौजूद थे।

इससे पहले 17 जुलाई को शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले थे। यह मुलाकात विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे के कमरे में हुई थी। करीब आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में वर्ली विधायक आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे।

दरअसल, यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब देवेंद्र फडणवीस ने 16 जुलाई को विधान परिषद में हल्के-फुल्के अंदाज में उद्धव ठाकरे को साथ आने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने उद्धव ठाकरे से कहा था- भाजपा उनके साथ विपक्ष में शामिल होने की संभावना नहीं रखती, लेकिन वह सत्ता पक्ष में आ सकते हैं।

विधान परिषद में 16 जुलाई को विपक्ष के नेता अंबादास दानवे का विदाई समारोह था। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने व्यंग्य करते हुए उद्धव ठाकरे से कहा कि भाजपा उनके साथ विपक्ष में शामिल होने की संभावना नहीं रखती, लेकिन वह सत्ता पक्ष में आ सकते हैं।

इस बयान के 24 घंटे के अंदर यानी 17 जुलाई को मुख्यमंत्री से उद्धव की भेंट हो गई, जो करीब 20 मिनट चली। इस दौरान उद्धव ने मुख्यमंत्री फडणवीस को एक किताब भेंट की, जिसमें लिखा है- हिंदी की सख्ती क्यों, तीन भाषा जरूरी क्यों।

हालांकि उद्धव-देवेंद्र की मुलाकात पर आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने उन्हें एक कम्पाइलेशन दिया है कि पहली क्लास से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए। इसे कई पत्रकारों और संपादकों ने लिखा है।

कृषि मंत्री विधानसभा में रमी खेलते दिखे

मुंबई. महाराष्ट्र के विधानसभा में राज्य के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का मोबाइल पर रमी गेम खेलने का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद विपक्ष ने उनसे इस्तीफे की मांग की।

रविवार को संसद भवन में सभी दलों की बैठक के बाद NCP (SP) की सांसद सुप्रिया सुले ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कृषि मंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में बीते तीन महीनों में करीब 750 किसानों ने आत्महत्या की है और ऐसे गंभीर समय में कृषि मंत्री का सदन में बैठकर मोबाइल गेम खेलना शर्मनाक है।

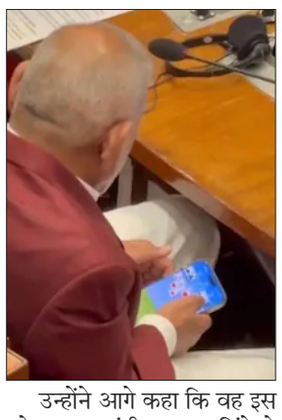

उन्होंने आगे कहा कि वह इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी बात करेंगी ताकि किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए।

बरसात में आपदा प्रबंधन नागरिकों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर

ठाणे. बरसात के दो महीनों में प्रकृति ने जमकर कहर ढाया पेड़ गिरे, सड़कों पर तेल गिरा, आग लगी, सड़कें पानी में डूब गईं, दीवारें ढह गईं और आम आदमी इन आफतों के साये में मुसीबत में फंस गया। लेकिन हर आफत के पीछे एक 'अदृश्य हाथ' था। ठाणे मनपा के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को मई से जुलाई के बीच मदद के लिए लगभग 1,100 कॉल आए।इन दो महीनों में ठाणे में 300 से ज़्यादा पेड़ गिरे, 200 से ज़्यादा शाखाएँ टूटीं और 75 जगहों पर आग लगने की घटनाएँ हुईं। कहीं पानी भर गया, कहीं स्लैब गिर गया, कहीं गैस लीक हो गई, तो कहीं पेड़ों में फंसे पक्षियों के लिए मदद की पुकार आई। लेकिन एक भी कॉल अनसुनी नहीं हुई। आपदा प्रबंधन दल हर जगह मौजूद रहा और मदद के लिए आगे आया।समय के साथ, शहर की कई सड़कें सीमेंट-कंक्रीट से बनीं, लेकिन इससे पेड़ों की जड़ें और जीवन दोनों ही क्षीण हो गए। इसलिए, बारिश में हल्की हवा चलने पर भी इधर-उधर पेड़ गिरने की आवाज़ सुनाई देती थी। मई में 112, जून में 139 और अकेले जुलाई के पहले हफ़्ते में 41 पेड़ गिरे। पेड़ों की टहनियाँ टूटने की 200 घटनाएँ हो चुकी हैं।आज शहर में कई आपदाएँ आती रहती हैं बड़ी आग, सड़क पर तेल गिरा, स्लैब गिरना, गैस रिसाव, कीचड़ में फँसे वाहन, नालियों का ओवरफ्लो होना लेकिन आम आदमी इन आपदाओं से डरा हुआ है। ऐसे समय में, एक भरोसेमंद नाम याद आता है, ठाणे मनपा का आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ। प्रकोष्ठ और ठाणे अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मिलकर मदद के लिए दौड़ पड़ते हैं।

> इस प्रकोष्ठ में काम करने वाले कर्मचारी किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में दौड़ पड़ते हैं। कभी रात की कॉल पर, कभी तेज़ बारिश में दौड़ते हुए, कभी आग के धुएँ में घुसते हुए, तो कभी बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ जाते हैं। एक फँसे हुए पक्षी की मदद करना। यह सिर्फ़ उनका कर्तव्य नहीं, बल्कि उनका धर्म है।
>
> –गजानन गोदेपुरे
> (उपायुक्त, ठाणे नगर निगम)

मनपा प्रशासन का अजब कारभार

■ भिवंडी मनपा प्रशासन चला रहे है प्रभारी अधिकारी

■ प्रशासक राज में भ्रष्टाचार चरम पर

▶▶ वी.एस.

भिवंडी. भिवंडी प्रशासक राज भिवंडीवासियों किए बेहद खराब अनुभव साबित हो रहा है.शहर में विकास कार्य बंद और नागरिकों को मूलभूत समस्याओं से जूझना पड़ रहा है.मनपा प्रशासकीय कामकाज की खातिर कुशल अधिकारियों की भारी कमी से मनपा प्रशासन करीब 5 व र्षों से जूझ रहा है.मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को समग्र जानकारी होने के बाद भी मनपा में अधिकारी नहीं भेजे जा रहे जिससे आवश्यक पद रिक्त पड़े हुए हैं.भिवंडी मनपा में सभी सहायक आयुक्तों और विभागाध्यक्षों का कार्यभार लिपिकों द्वारा प्रभारी के रूप में संभाला जा रहा है.मनपा में आयुक्त, अपर आयुक्त, 3 उपायुक्त, सहायक नगर नियोजक, मुख्य लेखा परीक्षक, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी, नगर अभियंता, चिकित्सा अधिकारी के 9 पदों के अलावा अन्य सभी अधिकारी और कर्मचारी प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं जिससे कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है.

समय से प्रमोशन नहीं होने से भी बिगड़ी व्यवस्था

भिवंडी मनपा में 1996 के बाद किसी भी कर्मचारी की पदोन्नति नहीं होने से सभी को अधिकार वाले पदों पर प्रभारी के रूप में काम करना पड़ रहा है.

महानगर पालिका सेवा एवं प्रवेश वर्गीकरण के तहत सरकार द्वारा 14 दिसंबर 2022 को स्वीकृत योजना के अनुसार पालिका सेवा में 4189 पद हैं, जिनमें से 3235 पद भरे जा चुके हैं. मनपा में 954 पद रिक्त हैं.वर्ग 1 के 34 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 19 पद भरे जा चुके हैं, 15 पद रिक्त हैं.वर्ग 2 के 60 पद स्वीकृत हैं, जिनमें केवल 10 पद भरे जा चुके हैं, 50 पद रिक्त हैं.वर्ग 3 के लिपिक संवर्ग में 1077 पद हैं, जिनमें से 468 पद भरे जा चुके हैं, 609 पद रिक्त हैं. चतुर्थ श्रेणी में 3018 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 2738 पद भरे जा चुके हैं तथा 280 पद रिक्त हैं.जागरूक नागरिकों का कहना है कि,मनपा के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए बड़ी संख्या में लिपिक और वरिष्ठ लिपिक का होना आवश्यक है. भिवंडी मनपा में 433 कनिष्ठ लिपिक के पद स्वीकृत हैं जिसमें 188 पद रिक्त हैं. प्रभार संभाले कई प्रभारी अधिकारी ने बताया कि,प्रभारी के रूप में कार्य करते समय मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है. काम की ज़िम्मेदारियाँ अधिक हैं, लेकिन उन्हें नियुक्त पद का वेतन मिल रहा है. मनपा कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण सैकड़ों सफाई कर्मचारी राजनीतिक आकाओं की बदौलत मनपा मुख्यालय को छोड़कर सभी प्रभाग समिति कार्यालयों में बड़े अधिकारी बन बैठे हैं.

प्रशासक राज में प्रशासक सुस्त,अधिकारी चुस्त

शहर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि,प्रशासक राज में प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर शायद सुस्त हो सकते हैं लेकिन अकुशल,प्रभारी अधिकारियों की फौज मस्ती से सभी नियम कानूनों को दरकिनार कर भ्रष्टाचार में जुटी है .शहर में सभी अवैध कार्य जोर से शुरू है .जन सुविधा को लेकर किसी को कोई चिंतन और ध्यान नहीं है .शहर के नागरिक मूलभूत सुविधाओं की खातिर तरस रहे हैं . आईएएस प्रशासक,आयुक्त भी शहर की दुर्दशा को रोकने में कमोवेश असफल दिखाई पड़ता है .

श्री दुर्गा माता मंदिर में सुंदरकांड संपन्न

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से प्रत्येक शनिवार को शाम भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है। सुंदर कांड व भजन गायक लकी मिश्रा,नागेंद्र शर्मा, संजू सिंह,बजरंगी,रवि पाण्डेय, संतोष पाण्डेय,राकेश पाण्डेय, अभय कुमार सिंह,लकी मिश्रा के साथ कोरस देने वाले नागेंद्र शर्मा, संजय तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह , मनोज मिश्रा , राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , संजू सिंह और लकी मिश्रा ने भजन कीर्तन सुनाकर आये हुए सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा ,ऊषा यादव,सुमित्रा विट्टी वर्मा,उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव,विजय गुप्ता,मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय,घनश्याम यादव,सुशील पंडा,आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय , दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी,बजरंगी,रविन्द्र तिवारी सहित मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

आगामी मनपा चुनाव को लेकर

शिवसेना उबाठा की समीक्षा बैठक संपन्न

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र के पदाधिकारियों को संगठनात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन शिवसेना मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई. मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं उपनेता बाल माने उपस्थित थे.बाल माने ने उपस्थित शिवसैनिको का बहुत ही बौद्धिक मार्गदर्शन दिया और आगामी भिवंडी महानगर पालिका चुनावों के लिए सक्षम रूप से तैयारी करने के तरीके पर अच्छे तरीके से मार्गदर्शन किया. बैठक में भिवंडी लोकसभा संपर्क प्रमुख साईनाथ तारे,भिवंडी लोकसभा महिला संयोजिका आशाताई रसाल, उपनेता ज्योति ताई ठाकरे, उपनेता अल्ताफ भाई शेख, जिला प्रमुख मनोज गगे, शहर प्रमुख प्रसाद पाटिल , महानगर प्रमुख अरुण पाटिल, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी जिला संघटक वैशाली ताई मेस्त्री, शहर संयोजक नाना झलके, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर जैसे जेष्ठ नेता व पदाधिकारी मंच पर उपस्थित थे.बैठक में गणमान्य लोगों ने भी विचार व्यक्त करते हुए मार्गदर्शन दिए गए. बैठक में नितिन काठवले, मनीष बंटी गिरी, मयूर कदम, प्रशांत वसानी, मुजामिल खान, नजीर शेख, राज अधिकारी, गणेश मोरे, सुनीता तारे, अरुणा पाटिल, कुमार श्रीराम, दीपाली भानुशाली, गणेश घोसके, शांताराम जाधव, विजय गायकवाड़, विजय कुंभार, रमेश धोत्रे समेत सभी शिवसैनिक शामिल हुए. सभी प्रकोष्ठ पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डीएवी पब्लिक स्कूल में बच्चों द्वारा गार्डन का निर्माण

■ एड. विनय कुमार सिंह के हाथों उद्घाटन

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. डीएवी पब्लिक स्कूल, ठाणे में स्कूल व बच्चों द्वारा निर्मित गार्डन का शुक्रवार को शिवशांति प्रतिष्ठान के संस्थापक एड विनय कुमार सिंह के हाथों उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या सिमी जुनेजा उपस्थित थी।

इस अवसर पर एड विनय कुमार सिंह ने स्कूल द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषय को केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण का महत्व बताया और उसके संरक्षण के लिए कार्य करने का आग्रह किया। साथ ही हर्बल गार्डन और कंपोस्ट को बनाने की विधि बच्चों को समझाया ।

कार्यक्रम की शुरुआत मान्यवरों के हाथों दिप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसके बाद विद्यार्थियों ने गार्डन में पौधरोपण किया। साथ ही सभी विद्यार्थियों ने सभी को गार्डन में लगे पौधों की जानकारी दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूल के विद्यार्थी और शिक्षण गण उपस्थित थे।

शाहरुख खान को 'किंग' के सेट पर लगी चोट

■ इलाज के लिए गए अमेरिका

■ डॉक्टरों ने दी एक महीने के आराम की सलाह

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए। उन्हें चोट तब लगी, जब वह मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीन शूट कर रहे थे।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, शाहरुख की चोट की पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन वह अपनी टीम के साथ इलाज के लिए अमेरिका गए हैं। यह कोई बहुत बड़ी या गंभीर चोट नहीं है, बल्कि मांसपेशियों से जुड़ी सामान्य चोट है। शाहरुख को पहले भी स्टंट करते समय कई बार मांसपेशियों में चोट लगी है।

सूत्र ने आगे बताया, सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने तक आराम करने की सलाह दी है। इसलिए अब उनकी अगली फिल्म 'किंग' की शूटिंग सितंबर या अक्टूबर में शुरू होगी। जब वह पूरी तरह ठीक हो जाएंगे, तब फिर से पूरी एनर्जी के साथ शूटिंग पर लौटेंगे। इस बीच, जुलाई से अगस्त के बीच फिल्म के लिए फिल्म सिटी, गोल्डन टोबैको और YRF स्टूडियो में जो शूटिंग शेड्यूल तय किया गया था, वह कैंसिल कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, 'किंग' की शूटिंग भारत और यूरोप में होगी।

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनीता पारसनाथ यादव सभी को सूचित कर रही हूं कि प्लास्टिक फैक्ट्री, 622 चौ.फुट, बैरक नं. 733 के पास, शांतिनगर, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 25बीओ017301600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कंचन बाबूभाई करेलिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 15.4.2025 सी.नं. 537 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनीता पारसनाथ यादव

आम सूचना

मैं श्री महेश कल्याण अडसूल सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 7, ग्राऊंड फ्लोर, मां देवी अपार्टमेंट, शांति नगर, शांतिग्राम विद्या मंदिर के सामने, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 29सीओ020793400) उक्त प्रॉपर्टी श्री कपिल कल्याण अडसूल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.5.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री महेश कल्याण अडसूल

आम सूचना

मैं श्रीमती सोनम मोहन हेमवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 3, 200 चौ.फुट, ग्राऊंड फ्लोर, साई आत्मा अपार्टमेंट, बैरक नं. 343, रुम नं. 1, शीट नं. 71, सेक्शन 8-ए, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 21बीआय018040400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मीना मुरलीधर बोनेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 15.11.2023 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सोनम मोहन हेमवानी

आम सूचना

मैं श्री नंदलाल पारुमल पठाई सभी को सूचित कर रहा हूं कि अपर पोर्शन, रुम, 180 स्व. फुट, शीट नं. 71, चालता नं. 439, बैरक नं. 232 के सामने, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 16बीआय015844900) उक्त प्रॉपर्टी श्री हरेश नंदलाल पठाई के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 9.1.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री नंदलाल पारुमल पठाई

उल्हास विकास NEWS LIVE
FOLLOW US
@ulhasvikas
ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099